वो लड़का जिसने राक्षस को मारा

किट, हिंदी : विदूषक

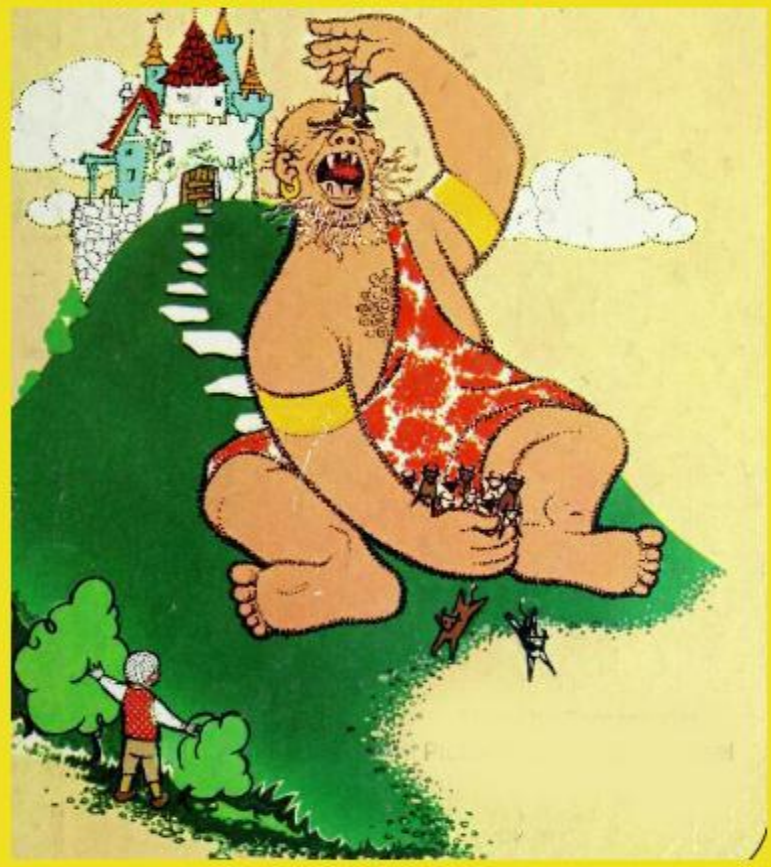

बहुत पुरानी बात है.

किसी देश में एक लड़का रहता था.

वो नौ साल का था.

पर वो देखने में बहुत छोटा था.

सब उसे छुटकू बुलाते थे.

माता-पिता उसे कुछ काम नहीं करने देते थे.

वो कहते थे कि वो बहुत छोटा था.

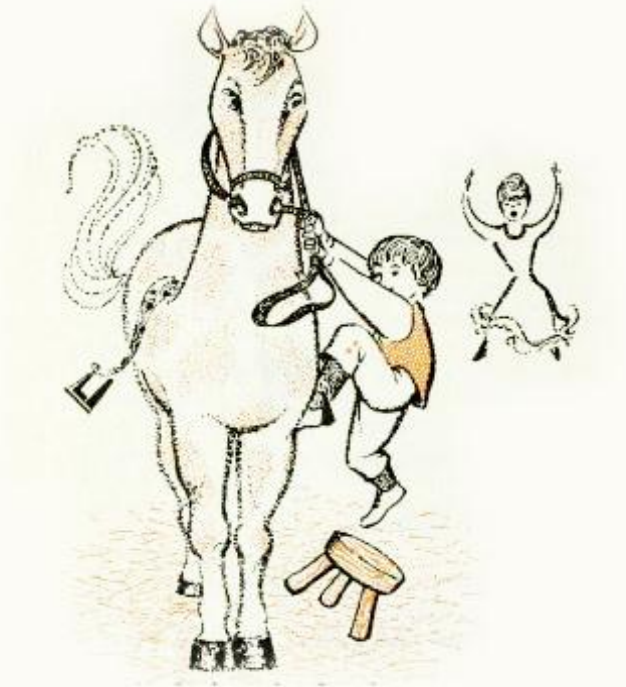

छुटकू के पिताजी के पास एक घोड़ा था.
पर क्या छुटकू की माँ ने उसे घुड़सवारी करने दी?
बिल्कुल नहीं!
“तुम बहुत छोटे हो,” उन्होंने कहा.
“मैं नहीं चाहती कि तुम्हें चोट लगे.”

छुटकू के पिताजी के पास एक तीर-कमान था.
पर क्या छुटकू के पिताजी उसे वो इस्तेमाल करने देते थे.
बिल्कुल नहीं!
“तुम बहुत छोटे हो,” वो कहते थे.
“मैं नहीं चाहता कि तुम्हें चोट लगे.”

“ठीक है कि मैं छोटा हूँ,” छुटकू ने कहा.
“पर मैं बड़ी-बड़ी चीज़ें कर सकता हूँ.
एक दिन मैं उन्हें करके दिखाऊँगा.”

छुटकू के घर से कुछ दूर पर
एक राक्षस रहता था.
वो राक्षस बहुत बड़ा था.
वो दोपहर के भोजन में
100 गायें खाता था.
नाश्ते में वो रोजाना 100 अंडे खाता था.

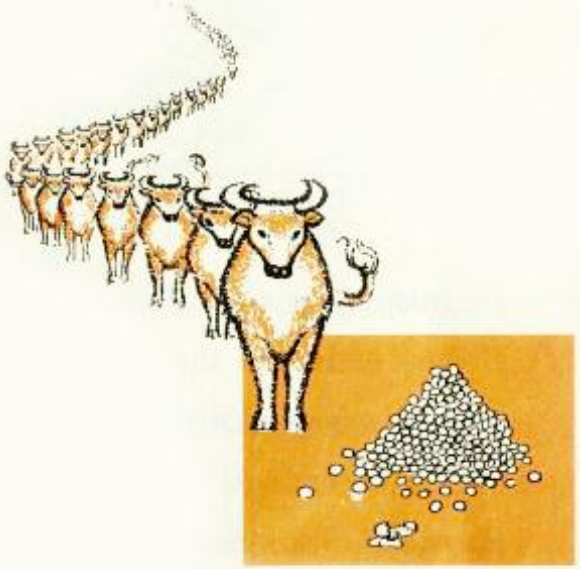

राक्षस ने सभी गायें खा डालीं.
राक्षस ने सभी अंडे खा डाले.
उसने सभी नदियों का पानी पी डाला.
वो एक नीच किस्म का राक्षस था.

कभी-कभी वो घरों की छतों पर कूदता था.
धड़ाम! से उन्हें कुचलता था.
राक्षस के लिए वो महज़ एक खेल था.
पर जिनके घर टूटते थे
उनके लिए यह बहुत दुःख की बात थी.

वो राक्षस तमाम जादू भी जानता था.
वो खुद को किसी भी रूप में बदल सकता था.
वो खुद को चीते में बदल सकता था.

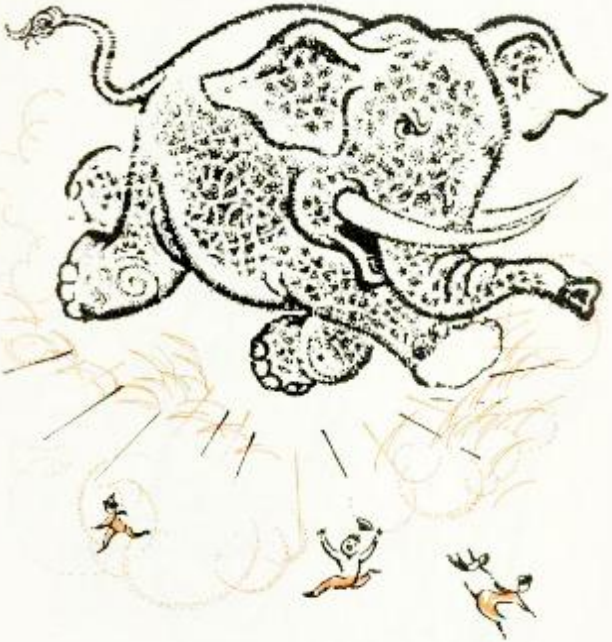

वो खुद को एक जंगली हाथी में बदल सकता था.

राक्षस खुद को पंख वाले नाग
(ड्रैगन) में बदल सकता था.

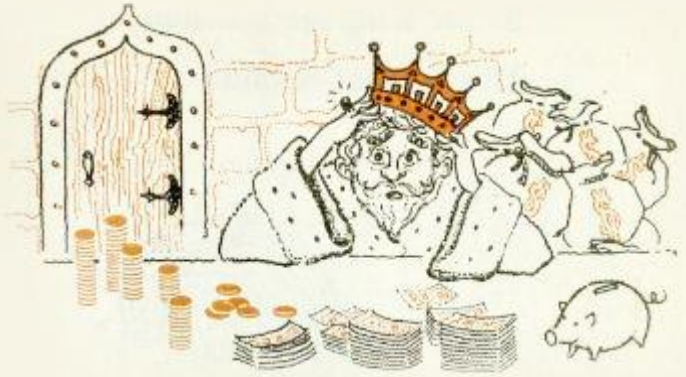

हरेक को उस राक्षस से बेहद डर लगता था.
देश के राजा ने कहा,
“जल्द ही हमारे देश में खाने-पीने को कुछ नहीं बचेगा.
क्या कोई हमें उस राक्षस से मुक्ति दिलाएगा?
जो भी राक्षस से मुक्ति दिलाएगा मैं उसे
बहुत बड़ा ईनाम दूंगा.”

फिर राजा ने घोषणा की :

जो भी राक्षस से मुक्ति
दिलाएगा मैं उसे बहुत
बड़ा ईनाम दूंगा!

- राजा

छुटकू ने वो घोषणा पढ़ी.
“देखने में मैं छोटा भले ही हूँ,” छुटकू ने कहा,
“पर मैं बड़े काम कर सकता हूँ.
अब मैं उन्हें यह बड़ा काम करके दिखाऊँगा.”

फिर छुटकू ने खुद एक बैनर पर लिखा :

फिर छुटकू ने एक थैला लिया.
उसमें उसने सफ़ेद पनीर का बड़ा टुकड़ा रखा.
वो पनीर देखने में सफ़ेद पत्थर जैसा दिखता था.
उसने थैले में एक सफ़ेद पत्थर भी रखा.

उसने थैले में एक छोटी भूरी चिड़िया भी रखी.
चिड़िया देखने में भूरी गेंद जैसी दिखती थी.
उसने थैले में एक भूरी गेंद भी रखी.

फिर उसने अपने थैले में एक चीज़ और रखी –
मक्खी मारने वाली जाली का बना रैकेट.

फिर छुटकू ने अपने माता-पिता
को एक चिट्ठी लिखी.

प्रिय पिताजी / माताजी,

मैं उस राक्षस से सबका पिंड
छुड़ाने जा रहा हूं.

आपका लाड़ला
छुटकू

फिर छुटकू ने अपना थैला उठाया.
उसने अपने हाथ में बैनर पकड़ा.
फिर उसने अपनी यात्रा शुरू की.

वो चलता गया, चलता गया.
वो एक बड़ी पहाड़ी पर चढ़ा.
पहाड़ी के ऊपर उस राक्षस का घर था.

छुटकू ने राक्षस के घर का दरवाज़ा खटखटाया.
पर किसी ने भी दरवाज़ा नहीं खोला.

छुटकू ने दुबारा दरवाज़ा खटखटाया
खट-खट-खट!
किसी ने दरवाज़ा नहीं खोला.
फिर छुटकू वापिस लौटने लगा.

तभी राक्षस उसके सामने आया!
“क्या तुम मुझे खोज रहे हो?”
राक्षस ने छुटकू से पूछा.
“हाँ, बिल्कुल,” छुटकू ने कहा.
“मुझे आप ही की तलाश थी.”

“अरे, यह तो बताओ कि तुम कौन हो?”
राक्षस ने पूछा.
“देखो, मेरे बैनर को पढ़ो,” छुटकू ने कहा.

राक्षस ने बैनर को पढ़ा.
फिर वो ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगा.
“हा-हा-हा-हा!, ही-ही-ही-ही!”

“अच्छा तो तुम ज़मीन और समुद्र
के सबसे ताकतवर प्राणी हो?”
राक्षस ने कहा.
यह कहकर राक्षस दुबारा हंसने लगा.
“हा-हा-हा-हा! ही-ही-ही-ही!”

“तुम जितना चाहे उतना हंस लो,”
छुटकू ने कहा.
“पर मैं तुमसे ज्यादा ताकतवर हूँ.
यह मैं तुम्हें दिखा दूंगा.”

“अच्छा,” राक्षस ने कहा.
“देखो मेरे घर में बहुत सारा सोना पड़ा है.
अगर तुमने सिद्ध किया कि तुम मुझसे
ज्यादा ताकतवर हो.
तो मैं तुम्हें वो सब सोना दे दूंगा.”

“मुझे तुम्हारे सोने का कोई लालच नहीं है,”
छुटकू ने कहा.

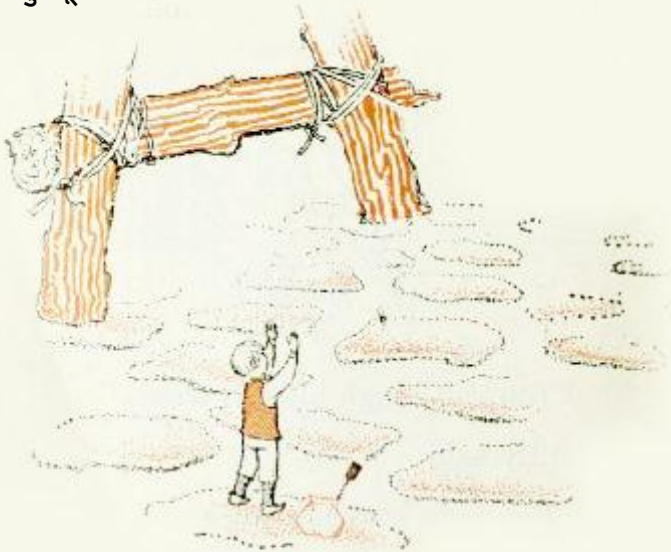

“अच्छा!” तो ऐसा है.
“यानि तुम्हें मुझसे डर लग रहा है!”

“बिल्कुल, नहीं!” छुटकू ने कहा.
“मैं तुमसे ज्यादा ताकतवर हूँ.
मुझे तुम्हारा सोना नहीं चाहिए.
मुझे तुमसे क्या चाहिए वो मैं तुम्हें बताऊँगा.”

“अच्छा, फिर बताओ तुम मुझसे क्या चाहते हो,”
राक्षस ने पूछा.

“मैं चाहता हूँ कि तुम यहाँ से
कहीं बहुत दूर चले जाओ,” छुटकू ने कहा.
“तुमने हमारी सारी गायें खा डालीं हैं.
तुमने हमारे सारे अंडे खा डालें हैं.
तुम नदियों का सारा पानी पी गए हो.
अगर मैं सिद्ध कर दूं कि मैं तुमसे
ज्यादा ताकतवर हूँ, फिर तुम्हें यहाँ से जाना होगा.”

“ठीक है,” राक्षस ने कहा.
“पहले यह दिखाओ, कि तुम मुझसे ज्यादा ताकतवर हो.”
“फिर यह पत्थर हाथ में लो,” छुटकू ने कहा.
राक्षस ने छुटकू के हाथ से पत्थर लिया.

“अब मैं भी अपने हाथ में एक पत्थर लेता हूँ,”
छुटकू ने कहा.
फिर छुटकू ने थैले से सफ़ेद पनीर का टुकड़ा लिया.

“अब देखो मैं अपने पत्थर को मरोड़कर
उससे कैसे पानी निकालता हूँ,” छुटकू ने कहा.
फिर छुटकू ने पनीर को दबाया.
पनीर में से पानी निकलने लगा.
“अब तुम अपने पत्थर में
से पानी निचोड़ो,” छुटकू ने कहा.

राक्षस ने अपने पत्थर को बहुत कस कर दबाया.
पर उसमें से बिल्कुल पानी नहीं निकला.
उसने पत्थर को बार-बार दबाया.
पर उसमें से पानी की एक बूँद भी नहीं निकली.
फिर राक्षस की हंसी बंद हो गयी.

"देखो," छुटकू ने कहा.
"मैं तुम्हें दुबारा दिखाऊँगा
कि मैं तुमसे ज्यादा ताकतवर हूँ.
मैं इतना शक्तिशाली हूँ कि मैं एक गेंद को
तुमसे ज्यादा ऊंचा फेंक सकता हूँ.
मैं गेंद को इतना ऊंचा फेंकूंगा कि
वो दुबारा ज़मीन पर फिर वापिस नहीं आएगी."

"यह तो मैं भी कर सकता हूँ," राक्षस ने कहा.

"मुझे करके दिखाओ," छुटकू ने कहा.
फिर छुटकू ने थैले में से एक भूरी गेंद निकाली.
उसने वो गेंद राक्षस को दी.
"अब में इस गेंद को अपने हाथ में पकडूँगा,"
छुटकू ने कहा.
फिर उसने छोटी भूरी चिड़िया को थैले में से निकाला
और उसे अपने हाथ में पकड़ा.
"तुम पहले गेंद फेंको," छुटकू ने कहा.

राक्षस की गेंद ऊपर, ऊपर, बहुत ऊपर गई.
अंत में वो आसमान में एक छोटे बिंदु जैसी दिखने लगी.
गेंद इतनी ऊंची उठी कि उसे नीचे आने के लिए
उन्हें काफी देर इंतज़ार करना पड़ा.

अब मैं अपनी गेंद फेंकूंगा,"
छुटकू ने कहा. फिर उसने गेंद फेंकी.
वो छोटी भूरी चिड़िया,
आसमान में ऊपर, ऊपर, ऊपर उठी.
वो ऊंची उड़ती ही गई.
वो आसमान में छोटी बिंदी नज़र आने लगी.
फिर वो आँखों से लुप्त हो गयी.
छुटकू और राक्षस को फिर वो दिखाई ही नहीं दी.

“देखो मेरी गेंद इतनी ऊंची गई है,” छुटकू ने कहा,
“कि वो अब कभी ज़मीन पर वापिस नहीं आएगी.”

“हम उसका इंतज़ार करेंगे,”
राक्षस ने कहा.

फिर वो दोनों इंतज़ार करते रहे.
उन्होंने बहुत देर इंतज़ार किया.
पर गेंद ज़मीन पर वापिस नहीं आई.
“तुमने देखा?” छुटकू ने कहा.
“मैं तुमसे ज्यादा ताकतवर हूँ!
मैं पत्थर को निचोड़कर पानी निकाल सकता हूँ.
पर तुम वो नहीं कर सकते हो.
मैं गेंद को तुमसे ज्यादा उंचाई तक फेंक सकता हूँ.
इसलिए अब तुम्हें कहीं दूर चले जाना चाहिए.”

नहीं! नहीं! नहीं! राक्षस ने कहा.
“मैं तुमसे ज्यादा बलवान हूँ.
मैं एक जादुई राक्षस हूँ.
मैं खुदको एक बाघ में बदल सकता हूँ!
देखो?”

“मैं खुदको एक जंगली हाथी में बदल सकता हूँ!
देखो?”

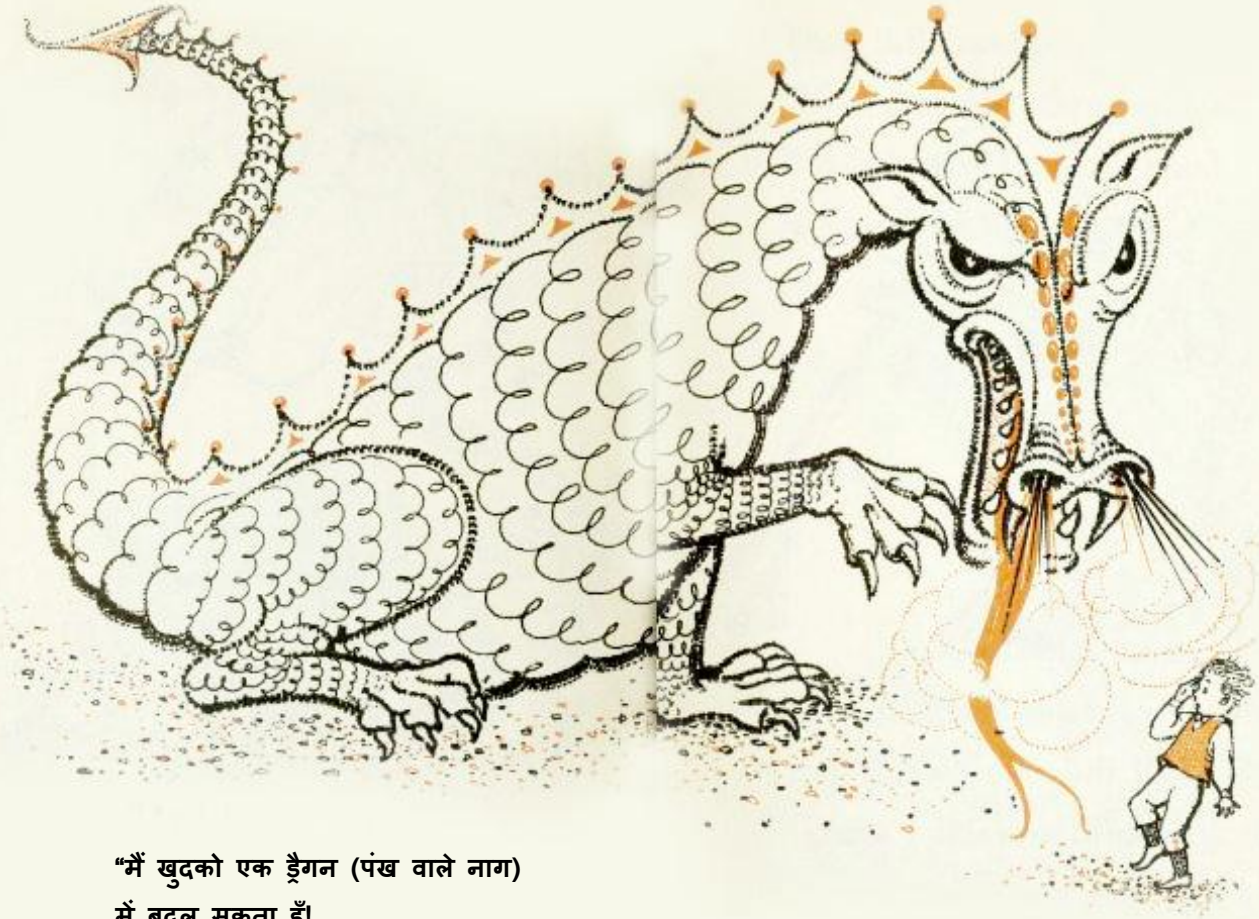

“मैं खुदको एक ड्रैगन (पंख वाले नाग)
में बदल सकता हूँ!
देखो?”

“हाँ. मैंने देखा,” छुटकू ने कहा.

“अच्छा, फिर,” राक्षस ने कहा,
“मेरी जब तक मर्ज़ी होगी मैं यहीं पर ही रहूँगा.
मेरी जितनी मर्ज़ी होगी उतनी गायें खाऊँगा.
मैं अपनी मनमर्जी के मुताबिक पानी पियूँगा.
अब मैं एक बड़े बाघ में बदलकर
तुम्हें भी खा जाऊंगा.”

फिर छुटकू ने कहा,
“आपका जादू काफी शक्तिशाली है.
किसी बड़े राक्षस के लिए एक
बड़े बाघ में बदलना काफी आसान होता है.
क्या आप खुदको एक छोटी बिल्ली में बदल सकते हैं?”

“बिल्कुल,” राक्षस ने कहा.

“मुझे दिखाएँ,” छुटकू ने कहा.

फिर राक्षस ने खुद को एक छोटी बिल्ली में बदला.
छुटकू ने छोटी बिल्ली को पुचकारा.

फिर छुटकू ने कहा,
“यह तो आपने बहुत अच्छा किया.
पर क्या आप खुदको बहुत
छोटे जीव में बदल सकते हैं?
क्या आप खुदको एक
छोटे चूहे में बदल सकते हैं?”

“हाँ!” राक्षस ने कहा.

“अच्छा, मुझे दिखाएँ,” छुटकू ने कहा.

फिर राक्षस ने अपना रूप
एक छोटे से चूहे में बदला.
छुटकू ने छोटे चूहे को पनीर का एक टुकड़ा दिया.

“आप वाकई में काबिल हैं,” छुटकू ने कहा.
“पर एक चीज़ आप कभी नहीं कर पाएंगे.”

“वो क्या?” राक्षस ने पूछा.
“मैं कुछ भी कर सकता हूँ.”

“नहीं,” छुटकू ने कहा.
“आप खुदको एक छोटी मक्खी में नहीं बदल सकते.
यह काम आपके लिए भी बहुत मुश्किल होगा.”

“मैं यह कर सकता हूँ,” राक्षस ने कहा.

“मुझे दिखाएँ,” छुटकू ने कहा.

फिर राक्षस ने खुदको एक छोटी मक्खी में बदला
और .....

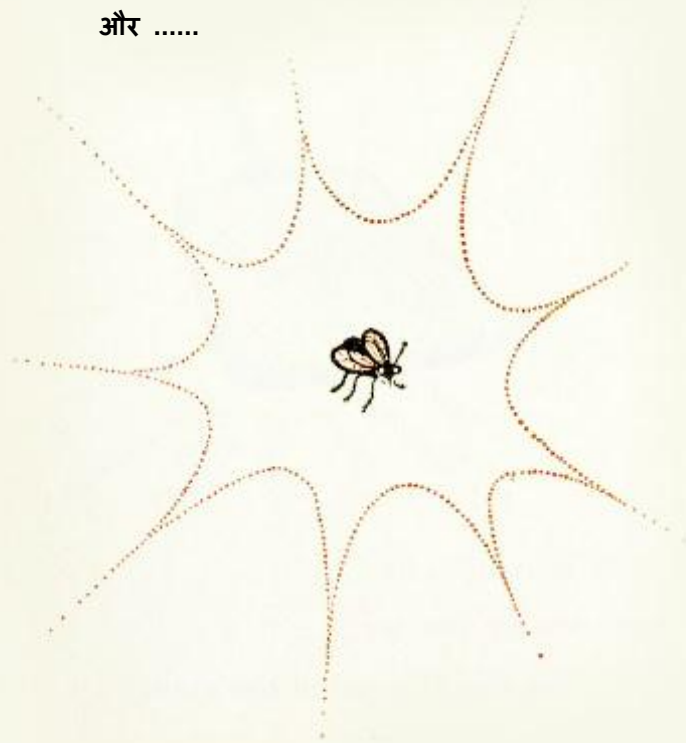

....तभी छुटकू ने मक्खी को
मक्खी मारने वाले रैकेट से मार डाला!
इस तरह उस नीच राक्षस का अंत हुआ!

अंत